केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय ने नदियों के स्ट्रेच के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रस्तावों को दी मंजूरी

नमामि गंगे से होगा छह सहायक नदियों का कायाकल्प

अमृत विचार, हल्द्वानी

पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने प्रदेश की नदियों की परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया।

पेयजल मंत्री बिशन चुफाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की समिति की बैठक में राज्य की छह प्रदूषित नदियों के स्ट्रेच के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इन नदियों के अलावा गंगा नदी की सहायक नदियां काली गंगा, रामगंगा, सरयू, जमरानी, रिस्पना, लोहावती, सौंग आदि की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए भी नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। इसमें छह नदियों की परियोजना की स्वीकृति मिल गयी है। इसमें ऊधम सिंह नगर की विभिन्न सहायक नदियों भेला, ढेला, नंधौर, किच्छा, पिल्खा और कोसी के कायाकल्प के लिए नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिलते पेयजल मंत्री बिशन सिंह।

परियोजना

- छह नदियों की परियोजना की स्वीकृति मिल गयी
- परियोजना के तहत कुल 17 नालों की टैपिंग भी की जाएगी

पेयजल मंत्री बिशन चुफाल ने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत ऊधम सिंह नगर में (आईएंडडी) योजना (ढेला नदी) फेज-1 के लिए 199.36 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इस योजना के तहत 30.30 एमएलडी की कुल उपचार क्षमता के लिए 9 एसटीपी का निर्माण किया जाएगा। वहीं कुल 17 नालों की टैपिंग भी की जाएगी। यह परियोजना 6 नदियों (प्रदूषित) के स्ट्रेच को कवर करेंगी।

नदी संरक्षण की छह परियोजनाएं मंजूर

पेयजल मंत्री चुफाल ने प्रधानमंत्री व जल शक्ति मंत्री का जताया आभार

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड में नदियों की परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने पर पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार जताया है।

भारत सरकार की ओर से उत्तराखंड को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा ऊधमसिंह नगर की विभिन्न सहायक नदियों, भेला, ढेला, किच्छा, नंधौर, पिल्खा और कोसी के कायाकल्प के लिए नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। पेयजल मंत्री चुफाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन समिति की बैठक में उत्तराखंड में छह प्रदूषित नदियों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है। इस विषय पर पिछले माह केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर उक्त नदियों के साथ ही गंगा नदी की सहायक काली गंगा, रामगंगा, सरयू, जमरानी, रिस्पना, लोहावती, सौंग आदि की स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु इन्हें नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। इनमें छह नदियों की परियोजना को स्वीकृति मिल गयी है। उन्होंने कहा कि अन्य सहायक नदियों के संवर्धन की स्वीकृति भी शीघ्र मिल जायेगी।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत ऊधमसिंह नगर में (आईएंडडी) योजना (ढेला नदी) फेज-1 के लिए 199.36 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। इस योजना के तहत 30.30 एमएलडी की कुल उपचार क्षमता के लिए 9 एसटीपी का निर्माण किया जायेगा। वहीं, कुल 17 नालों की टैपिंग भी की जायेगी। यह परियोजना छह नदियों (प्रदूषित) के स्ट्रेच को कवर करेंगी।

कवायद भेला, ढेला, किच्छा, नंधौर, पिल्खा व कोसी नदियों से लगे शहरों में होंगे एसटीपी व नालों की टैपिंग के काम

ऊधमसिंह नगर की छह नदियों का होगा कायाकल्प

राज्य ब्यूरो, देहरादून : कुमाऊं मंडल के ऊधमसिंह नगर जिले की छह नदियों का भी कायाकल्प होने जा रहा है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की समिति ने ऊधमसिंहनगर की भेला, ढेला, किच्छा, नंधौर, पिल्खा व कोसी के कायाकल्प के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत नई परियोजना को मंजूरी दी है। इसके तहत इन नदियों से लगे शहरों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) व गंदे नालों की टैपिंग से संबंधित कार्य होंगे। इससे नदियों को साफ-सुथरा बनाए रखने में मदद मिलेगी। पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के प्रति आभार व्यक्त किया है।

● राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने नमामि गंगे के तहत इन नदियों के कायाकल्प को नई परियोजना को दी हरी झंडी

कुमाऊं क्षेत्र की नदियों को नमामि गंगे में शामिल करने के मद्देनजर उत्तराखंड की ओर से कुछ समय पहले एनएमसीजी को प्रस्ताव भेजा गया। इसमें ऊधमसिंहनगर की छह नदियों के अलावा गंगा की सहायक काली, रामगंगा, सरयू, जमरानी, रिस्पना, लोहावती, सौंग समेत अन्य नदियों को शामिल करते हुए केंद्र से इन नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण को नई परियोजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह किया गया। हाल में ही पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर इन नदियों के संरक्षण-संवर्द्धन की योजनाओं की स्वीकृति जल्द देने का आग्रह किया था। पेयजल मंत्री चुफाल के अनुसार एनएमसीजी की समिति की बैठक में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत ऊधमसिंहनगर की नदियों से संबंधित परियोजना को मंजूरी दी गई। नमामि गंगे के तहत ढेला नदी फेज-प्रथम के लिए 199.36 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना के तहत 30.30 एमएलडी (मिलियन लीटर डेली) क्षमता के नौ एसटीपी का निर्माण किया जाएगा। साथ ही 17 नालों की टैपिंग की जाएगी। यह परियोजना छह नदियों से लगे क्षेत्र को कवर करेगी।

विस्तृत खबरों के लिए देखें
https://www.jagran.com/local/uttarakhand_nainital-news-hindi.html

यूएस नगर की छह सहायक नदियों का होगा कायाकल्प

नमामि गंगे के तहत ढेला नदी फेज-1 के लिए 199.36 करोड़ रुपये स्वीकृत

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की ओर से ऊधमसिंह नगर की विभिन्न सहायक नदियों के कायाकल्प के लिए नई परियोजनाएं मंजूर की गई हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत ढेला नदी फेज-1 के लिए 199.36 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने इसके लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री का आभार प्रकट किया है।

मंत्री चुफाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की समिति की बैठक में उत्तराखंड में छह प्रदूषित नदियों भेला, ढेला, किच्छा, नंधौर, पिलखा और कोसी के कायाकल्प के लिए नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन नदियों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़ी परियोजनाओं की मंजूरी के लिए वे पिछले माह केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मिले थे। उन्होंने इन नदियों के अलावा गंगा की सहायक नदियों काली गंगा, रामगंगा, सरयू, जमरानी, रिस्पना, लोहावती, सौंग आदि की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए भारत सरकार के नमामि गंगे कार्यक्रम में सम्मिलित किए जाने का प्रस्ताव रखा था।

उन्होंने कहा कि फिलहाल छह नदियों की परियोजना को स्वीकृति मिली है, अन्य सहायक नदियों के संवर्धन की स्वीकृति भी यथाशीघ्र मिलेगी।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत ऊधमसिंह नगर में (आई एंड डी) योजना के तहत ढेला नदी फेज-1 के लिए 199.36 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस योजना के तहत 30.30 एमएलडी की कुल उपचार क्षमता के लिए 9 एसटीपी का निर्माण किया जाएगा। वहीं कुल 17 नालों की टैपिंग भी की जाएगी। यह परियोजना 6 नदियों को प्रदूषित होने से बचाएगी।

30.30 एमएलडी की कुल क्षमता के लिए 9 एसटीपी का होगा निर्माण

कुल 17 नालों की टैपिंग की जाएगी, 6 नदियों को प्रदूषित होने से बचाएगी परियोजना

बीज बम बनाने

पति समे

मरीजों को डिस्चार्ज किया गया।

नदी संरक्षण को 199 करोड़ की मंजूरी

बोले चुफाल

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने केन्द्र से नदियों के संरक्षण के लिए 199.36 करोड़ की योजनाओं की मंजूरी को बड़ी उपलब्धि बताया है। पीएम नरेन्द्र मोदी व जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र शेखावत का आभार जताया है।

कैबिनेट मंत्री चुफाल ने बताया कि पिछले दिनों दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की थी। इसमें उन्होंने केन्द्रीय मंत्री शेखावत से ऊधमसिंह नगर की दूषित नदियों के साथ ही गंगा नदी की सहायक नदियों काली गंगा, रामगंगा, सरयू, जमरानी, रिस्पना, लोहावती व सौंग नदी को स्वच्छता व संरक्षण के लिए भारत सरकार के नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल किए जाने का प्रस्ताव सौंपा था। चुफाल ने बताया कि इस प्रस्ताव में से केन्द्र ने ह नदियों की परियोजना को मंजूरी दे दी है। गंगा की अन्य सहायक नदियों के संवर्धन के लिए जल्द ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। चुफाल ने कहा कि भारत सरकार की ओर से उत्तराखंड को केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय से ऊधमसिंह नगर की विभिन्न सहायक नदियों, भेला, ढेला, किच्छा, नंधौर, पिल्खा और कोसी के कायाकल्प के लिए नई परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की समिति की बैठक में उत्तराखण्ड में 6 प्रदूषित नदियों के स्ट्रेच के संरक्षण व संवर्धन से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है। इसके लिए राज्य को नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत ऊधमसिंह नगर में आई एंड डी योजना (ढेला नदी) फेज-1 के लिए 199.36 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

केंद्र का आभार

- पेयजल मंत्री चुफाल ने पीएम और जल शक्ति मंत्री का जताया आभार
- कहा, ऊधमसिंह नगर की नदियों में जल्द संरक्षण का काम शुरू होगा